नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली, ३० मार्च, १९९०

हरियाणा

माल रोड के उस बंगले पर क्यों लगती है रोज भीड़ ?

करनाल, २९ मार्च (एस)। करनाल के माल रोड पर स्थित एक बंगला आजकल यहां विशेष चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। प्रात: लगभग १० बजे से यहां कारों, मोटर साइकिलों या स्कूटरों पर आने वालों का तांता आ लगा रहता है। प्रत्येक आगन्तुक आते ही एक प्रश्न पूछता है— बाबू जी हैं ? जवाब कभी हां में मिलता है तो कभी ना में। इस बंगले पर आम आदमियों या राजनीतिज्ञों की नजरें ही नहीं टिकी रहतीं बल्कि गुप्तचर विभाग के कर्मचारी भी अक्सर इस बंगले के आसपास मंडराते देखे जा सकते हैं।

यह बंगाला किसी सरकारी बाबू का नहीं बल्कि उस व्यक्ति का है जो मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की बात काटने का साहस कर रहा है। और इस व्यक्ति का नाम है श्री मूलचन्द जैन, जिन्हें लोग अक्सर बाबू जी के नाम से पुकारते हैं।

इस गांधीवादी बुजुर्ग नेता में अब लोगों को इसी प्रकार की जुझारू नेता की छवि दिखाई देने लगी जैसी कभी देवीलाल में दिखाई देती थी। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व श्री मूलचंद जैन ने हरियाणा योजना आयोग के उपाध्यक्ष पद से त्याग पत्र दे दिया था और अब महम उपचुनाव में उन्होंने चौटाला का डटकर विरोध भी किया। श्री मूलचन्द जैन और चौ. देवीलाल में क्यों ठनी हुई है इसके पीछे कारण ओम प्रकाश चौटाला ही बताए जाते हैं।

श्री मूलचंद जैन को मिलने आने वाले लोगों में ऐसे लोगों की तादाद अधिक है जो कांग्रेस और जनता दल दोनों से ही दु:खी हैं। श्री जैन की ओर लोगों के आकृष्ट होने के पीछे कारण यह है कि पूर्व उद्योग मंत्री श्री के.आर. पूनिया या चौ. रणजीत सिंह कोई ऐसा मंच तैयार नहीं कर पाए, जिसपर कांग्रेस और जनता दल से दु:खी लोग एकत्रित हो सकें।

यहां आने वाले राजनीतिज्ञों के मन में कहीं न कहीं यह इच्छा जरूर होती है कि श्री जैन को उनके लिए एक मंच तैयार करना चाहिए। बाबू जी से सहानुभूति रखने वाले एक जनता दल नेता ने यहां अपना नाम न छापे जाने का अनुरोध करते हुए कहा कि अगर वे कोई नया क्षेत्रीय दल बनाने की घोषणा कर दें तो सम्भव है कि कांग्रेस एवं जनता दल में मौजूद कई राजनीतिक उनका साथ देने के लिए बाहर आ जाएं।

श्री जैन कोई नया दल बनाने की घोषणा करते हैं या नहीं यह तो आने वाले समय में मालूम होगा लेकिन फिलहाल वे एक निर्विवाद नेता के रूप में उभर रहे हैं और जनता दल एवं कांग्रेस के असन्तुष्ट उनसे काफी उम्मीद लगाए बैठे हैं।